

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th



aglasem.com

Class : 9th

Subject : अर्थशास्त्र

Chapter : 3

Chapter Name : निर्धनता: एक चुनौती

Q1 भारत में निर्धनता रेखा का आकलन कैसे किया जाता है?

Answer. निर्धनता के आकलन की एक सर्वमान्य सामान्य विधि आय अथवा उपभोग स्तरों पर आधारित है। किसी व्यक्ति को निर्धन माना जाता है यदि उसकी आय या उपभोग स्तर किसी ऐसे न्यूनतम स्तर के नीचे गिर जाए जो मूल आवश्यकताओं के दिए हुए समूह को पूर्ण करने के लिए आवश्यक है। भारत में निर्धनता रेखा का निर्धारण करते समय जीवन निर्वाह के लिए खाद्य आवश्यकता, कपड़ों, जूतों, ईंधन और प्रकाश, शैक्षिक एवं चिकित्सा संबंधी आवश्यकताओं आदि पर विचार किया जाता है। इन भौतिक मात्राओं को रुपये में उनकी कीमतों में से गुना कर दिया जाता है। निर्धनता रेखा का आकलन करते समय खाद्य आवश्यकता के लिए वर्तमान सूत्र वांछित कैलोरी आवश्यकताओं पर आधारित है। खाद्य वस्तुएं जैसे अनाज, दालें, सब्जियां, दूध, तेल, चीनी आदि मिलकर इस कैलोरी की पूर्ति करती हैं।

Page : 40 , Block Name : अभ्यास

Q2 क्या आप समझते हैं कि निर्धनता आकलन का वर्तमान तरीका सही है?

Answer. हाँ, मैं समझता हूँ कि निर्धनता रेखा आकलन का वर्तमान तरीका सही है। निर्धनता के आकलन के लिए अन्य सामान्य विधि आय अथवा उपभोग स्तरों पर आधारित ही होना चाहिए। अलग अलग देशों के मानदंड अलग अलग हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिका में उस आदमी को गरीब माना जाता है जिसके पास कार नहीं है, जबकि भारत में अब भी कार रखना विलासिता मानी जाती है। भारत के संदर्भ में जो तरीका वर्तमान में चल रहा है वह पूरी तरह से दुरुस्त है। भविष्य में इसका बदलाव संभव है जैसे जैसे देश विकास करेगा इसके मानदंड भी बदल जाएंगे।

Page : 40 , Block Name : अभ्यास

Q3 भारत में 1973 से निर्धनता की प्रवृत्तियों की चर्चा करें।

Answer. जानकारी के अनुसार, भारत में निर्धनता के प्रतिशत में लगातार गिरावट महसूस की गई है 1973 से लेकर 1993 तक 55% से 36% हो गई है। और 36% से 26% अगले 7 सालों में 1993 से लेकर 2000 तक, हालाँकि गरीबों की संख्या उतनी ही है लेकिन उनका स्तर 1993 से 2000 तक में गरीबों की संख्या 260 मिलियन हो गयी है। ऐसे आसार जताए जा रहे हैं कि गाँवों में गरीबी हमेशा ज्यादा रहेगी, शहरों की तुलना में। अगर इसी तरह अगर हम तरक्की करते रहें तो कुछ ही सालों में हम 20% से भी नीचे आ सकते हैं।

Page : 40 , Block Name : अभ्यास

Q4 भारत में निर्धनता में अंतर-राज्य असमानताओं का एक विवरण प्रस्तुत करें।

Answer. भारत में निर्धनता का एक और पहलू है। प्रत्येक राज्य में निर्धन लोगों का अनुपात एक समान नहीं है। यद्यपि 1970 के दशक के प्रारंभ से राज्य स्तरीय निर्धनता में सुदीर्घकालिख कमी हुई है, कम करने में सफलता की दर विभिन्न राज्यों में अलग-अलग है। वर्ष 2011-12 भारत में निर्धनता अनुपात 22% है। कुछ राज्य जैसे मध्य प्रदेश, असम, उत्तर प्रदेश, बिहार एवं उड़ीसा में निर्धनता अनुपात राष्ट्रीय अनुपात से ज्यादा है। ओडिशा, मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश में ग्रामीण निर्धनता के साथ नगरी निर्धनता भी अधिक है।

इसकी तुलना में केरल, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात और पश्चिम बंगाल में निर्धनता में उल्लेखनीय गिरावट आई है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्य उच्च कृषि वृद्धि दर से निर्धनता कम करने में पारंपरिक रूप से सफल रहे हैं। केरल ने मानव संसाधन विकास पर अधिक ध्यान दिया है। पश्चिम बंगाल में भूमि सुधार उपायों से निर्धनता कम करने में सहायता मिली है। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में अनाज का सार्वजनिक वितरण इसमें सुधार का कारण हो सकता है।

Page : 40 , Block Name : अभ्यास

Q5 उन सामाजिक और आर्थिक समूह की पहचान करें जो भारत में निर्धनता के समक्ष निरुपाय हैं।

Answer. निर्धनों को बेहतर माहौल और अच्छे वातावरण में रहने वाले संपन्न लोगों की सामाजिक समता से अप वर्जित रह कर के वातावरण में दूसरे निर्धनों के साथ रहना पड़ता है। सामान्य अर्थ में सामाजिक अपवर्जन निर्धनता का एक कारण और परिणाम दोनों हो सकता है। मोटे तौर पर यह एक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति या समूह उन सुविधाओं लाभों और अवसरों से अपवर्जित रहते हैं, जिनका उपयोग दूसरे(उनसे अधिक अच्छे) करते हैं। इसका एक विशिष्ट उदाहरण भारत में जाति व्यवस्था की कार्यशैली है, जिसमें कुछ जातियों के लोगों को समान अवसरों से अप वर्जित रखा जाता है। इस प्रकार, सामाजिक अपवर्जन लोगों की आय ही बहुत कम नहीं करता बल्कि यह इससे भी कहीं अधिक क्षति पहुंचा सकता है।

Page : 40 , Block Name : अभ्यास

Q6 भारत में अंतराज्यीय निर्धनता में विभिन्नता के कारण बताइए।

Answer. भारत में अंतराज्यीय निर्धनता का कारण है वहाँ के बसने वाले लोग। भारत विभिन्नता से भरा हुआ देश है। अलग अलग तरह के लोग, विचार, भाव और मान्यताओं वाला देश जहाँ हर तरह की जरूरत और छूट है। 1973 के बाद से लगातार निर्धनता में गिरावट 1 दिखाई देती है फिर उसमें कमी नहीं दिखाई दे रही है। बिहार और उड़ीसा लगातार गरीबी के स्तर को कम नहीं कर पा रहे हैं। जब कि बंगाल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य अपने नीतियों के कारण बहुत अच्छा मुकाम हासिल किया है। विभिन्नता को देखते हुए सरकार को भी नीति का ध्यान रखना होता है। इसी कारण विभिन्न राज्यों में बसने वालों की

मान्यताओं और उनकी सोच में भी अंतर है। सरकार को भी उसी अनुसार नीति निर्माण करने होते हैं और उसका किर्यान्वयन भी उसी तरीके से किया जाता है। कभी कभी गरीबी के ऊपर विचार और विचार के ऊपर गरीबी हावी हो जाया करती है। शायद इसलिए निर्धनता में भी विभिन्नता दिखाई देती है।

Page : 40 , Block Name : अभ्यास

Q7 वैश्विक निर्धनता की प्रवृत्तियों की चर्चा करें।

Answer. विभिन्न अत्यंत आर्थिक निर्धनता में रहने वाले लोगों का अनुपात 1990 के 36% से गिरकर 2015 में 10% हो गया है। यद्यपि वैश्विक निर्धनता में उल्लेखनीय गिरावट आई है, लेकिन इसमें वृहत क्षेत्रीय भिन्नता पाई जाती हैं। तीव्र आर्थिक प्रगति और मानव संसाधन के विकास में बृहत निवेश के कारण चीन और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में निर्धनता में विशेष कमी आई है। चीन में निर्धनों की संख्या 1981 के 88.3 प्रतिशत से घटकर 2008 में 14.7% और 2015 में 0.7% रह गई है। दक्षिण एशिया के देशों में अनोखी संख्या में गिरावट इतनी ही तीव्र रही है और 2005 में से गिरकर 2013 में 16.2% हो गई है। स अफ्रीका में निर्धनता वास्तव में 2005 के 51% से घटकर 2015 में 41% हो गई है। तीन अमेरिका में निर्धनता का अनुपात वही रहा है यहां पर निर्धनता रेखा 2005 में 10% से गिरकर 2015 में 4% रह गई है। रूस जैसे पूर्व समाजवादी देशों में भी निर्धनता पुनः व्याप्त हो गई, जहां पहले आधिकारिक रूप से कोई निर्धनता थी ही नहीं। अंतर्राष्ट्रीय निर्धनता रेखा की पर अनुसार विभिन्न देशों में निर्धनता के नीचे रहने वाले लोगों का अनुपात दर्शाती है संयुक्त राष्ट्र के नए सतत विकास के लक्ष्य को 2030 तक सभी प्रकार की गरीबी खत्म करने का प्रस्ताव रखा गया है।

Page : 40 , Block Name : अभ्यास

Q8 निर्धनता उन्मूलन की वर्तमान सरकारी रणनीति की चर्चा करें।

Answer. निर्धनता उन्मूलन भारत की विकास रणनीति का एक प्रमुख उद्देश्य रहा है सरकार की वर्तमान निर्धनता निरोधी निर्मिती मोटे तौर पर दो कारकों (1) आर्थिक समृद्धि को प्रोत्साहन और (2) लक्षित निर्धनता निरोधी कार्यक्रमों पर निर्भर है। ऐसी अनेक योजनाएं हैं जिनको प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से निर्धनता कम करने के लिए बनाया गया है, उनमें से कुछ उल्लेख यहां करना आवश्यक है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार अभिनियम 2005 (मनरेगा) का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुरक्षित करने के लिए हर घर के लिए मजदूरी कम से कम 100 दिनों के लिए उपलब्ध कराना है। सतत विकास में मदद करना ताकि सूखा, वन कटाई एवं मिट्टी के कटाव जैसी समस्याओं से बचा जा सके। इस प्रावधान के तहत एक तिहाई रोजगार महिलाओं के लिए सुरक्षित किया गया है। केंद्र सरकार राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कोष भी स्थापित करेगी। इसी तरह राज्य सरकारें भी योजना के कार्यान्वयन के लिए राज्य रोजगार गारंटी कोष की स्थापना करेगी। कार्यक्रम के अंतर्गत अगर आवेदक को 15 दिन के अंदर रोजगार उपलब्ध नहीं कराया गया तो वह दैनिक बेरोजगार भत्ते का हकदार होगा। एक और महत्वपूर्ण योजना राष्ट्रीय काम के बदले अनाज राम है जिसे 2004 में देश के सबसे पिछड़े 150 जिलों में लागू किया गया था। ऐसी और भी योजनाएं हैं जैसे प्रधानमंत्री रोजगार योजना, ग्रामीण रोजगार सृजन, स्वर्ण जयंती ग्राम रोजगार योजना, प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना चलाई जा रही है। अच्छी नियत से चलाए जाने के

बावजूद भी जिन्हें इसका फायदा होना चाहिए था उन्हें नहीं हो पा रहा है। इसीलिए हाल के वर्षों में निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रमों के उचित परिवीक्षण पर अधिक बल दिया गया है।

Page : 40 , Block Name : अभ्यास

Q9 निम्नलिखित प्रश्नों का संक्षेप में उत्तर दें:

क) मानव निर्धनता से आप क्या समझते हैं?

Answer. मानव निर्धनता से यह मतलब है कि वैसी निर्धनता जिसमें लोगो को अपनी आधारभूत जरूरतों को पूरा करने के लिए भी रोजगार उपलब्ध नहीं हो। इसमें ना केवल आधारभूत जरूरतें शामिल है बल्कि स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और रोजगार सुरक्षा उपलब्ध कराना, लैंगिक समता तथा निर्धनों का सम्मान जैसी बड़ी चुनौतियां भी शामिल है।

ख) निर्धनों में भी सबसे निर्धन कौन है?

Answer. परिवार की महिलाएं, बच्चे(खासकर बच्चियां) और बुजुर्गों को निर्धनों में भी सबसे निर्धन इसलिए माना जाता है उन्हें संसाधनों का पूर्ण उपयोग भी नहीं करने दिया जाता, उन्हें आधारभूत अधिकार भी नहीं मिलते, और जरूरतों की बात तो होती ही नहीं। इसलिए उन्हें निर्धनों में भी निर्धन कहा जाता है।

ग) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 की मुख्य विशेषताएं क्या है?

Answer. इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुरक्षित करने के लिए हर घर लिए मजदूरी रोजगार कम से कम 100 दिनों के लिए उपलब्ध कराना है। इसका उद्देश्य सतत विकास में, मदद करना ताकि सुखा, वन कटाई एवं के कटाव जैसी समस्याओं से बचा जा सके। इस प्रावधान के तहत एक तिहाई रोजगार महिलाओं के लिए सुरक्षित किया गया है। इस योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिलाओं का हिस्सा क्रमशः 23%, 17% एवं 53% है। इसके लिए सरकार रोजगार गारंटी कोष भी स्थापित करेगी जिसमें अगर आवेदक को 15 दिन के अंदर रोजगार उपलब्ध नहीं तो वह दैनिक बेरोजगार भत्ते का हकदार होगा।

Page : 40 , Block Name : अभ्यास